दैनिक जागरण 30/08/2026

प्रिंसिपल साइंटिस्ट बनेंगे केवीके प्रमुख कर्मियों को मिलेंगे तीन प्रमोशन

श्याम चंद्र सिंह● जागरण

कानपुर : देशभर के 731 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में कार्यरत 10 हजार से अधिक वैज्ञानिकों और कर्मचारियों के लिए जल्द नई सेवा नियमावली लागू होगी। नए नियमों के तहत केवीके प्रमुख पदोन्नति पाकर प्रिंसिपल साइंटिस्ट के स्तर तक पहुंच सकेंगे। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) ने इसके लिए गाइडलाइन तैयार कर ली है। सेवा नियमावली लागू होने से कर्मचारियों को पदोन्नति और सेवा लाभ मिलने का रास्ता साफ होगा। यह जानकारी आइसीएआर के महानिदेशक डा. एमएल जाट ने दी। वह कानपुर में अटारी जोन-तीन द्वारा आयोजित कृषक चौपाल में आए थे। उन्होंने बताया कि गाइडलाइन जल्द सभी राज्यों को भेजी जाएगी।

डा. जाट ने बताया कि कर्मचारियों को अनुभव और सेवा अवधि के आधार पर प्रमोशन मिलेगा। वहीं सब्जेक्ट मैटर स्पेशलिस्ट (विषय वस्तु विशेषज्ञ) को पूरी सेवा अवधि में दो पदोन्नति मिलेंगी। इसके अलावा वाहन चालकों और अन्य कर्मचारियों को भी सेवाकाल के दौरान तीन पदोन्नति का लाभ दिया जाएगा।

वेतन भुगतान में भी आएगी नियमितता: अटारी निदेशक डा. राघवेंद्र सिंह ने बताया कि केवीके में कई कर्मचारी योजना मद में नियुक्त हैं, जिससे बजट मिलने पर ही वेतन मिलता है। इससे फायदा यह होगा कि सभी कर्मचारियों की सेवा शर्तों में एकरूपता आएगी।

दैनिक भास्कर

कानपुर सिटी 30-08-2026

कानपुर में कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनी | किसान-वैज्ञानिक नवाचार संवाद कार्यक्रम आयोजित

किसानों की सेवा में वैज्ञानिक समर्पित भाव से जुटें, ताकि विकसित भारत का सपना साकार हो : डॉ. एम.एल. जाट

भास्कर न्यूज | कानपुर

कानपुर में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-तृतीय कानपुर द्वारा शनिवार को संस्थान परिसर में "कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनीः किसान-वैज्ञानिक नवाचार संवाद" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सचिव एवं महानिदेशक डॉ. एम.एल. जाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने अटारी कानपुर एवं इसके अधीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रमुख उपलब्धियों एवं किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पद्मश्री किसान चन्द्रशेखर सिंह, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता तथा महिला उद्यमी नीलम त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

डीजी आईसीएआर डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी किसानों की सेवा में दिन-रात समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी एवं नवाचारों को पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है।

हिन्दी का सर्वश्रेष्ठ आर्थिक दैनिक

व्यापारसंदेश

रविवार
कानपुर, 30 अगस्त 2026
वर्ष 69 अंक 239
आर.एन.आई. नं. 6984/58
रजि. मिस-2/CPM/03/KPHO/2013-14
मूल्य 2 रूपया पृष्ठ 8

e-paper : www.vyaparsandesh.com

किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को किया गया प्रस्तुत

कानपुर, 29 अगस्त (निस)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-तृतीय कानपुर द्वारा आज संस्थान परिसर में कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनीः किसान-वैज्ञानिक नवाचार संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माननीय सचिव (डेयर, भारत सरकार) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. एम.एल. जाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि एवं नीलम त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचारों तथा किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला इस अवसर पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महानिदेशक आईसीएआर डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी किसानों की सेवा में दिन-रात समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं जो कि अत्यन्त सराहनीय है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी एवं नवाचारों को पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को जनपद स्तर पर क्षमता निर्माण के महत्वपूर्ण केन्द्रों एवं हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि किसानों सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को आधुनिक ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि अटारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली वित्तीय सहायता को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं

केवीके किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के निर्माण में निभा रहे है भूमिका: डॉ. एम.एल. जाट

दैनिक निष्पक्ष पोस्ट | डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी

कानपुर सी एस ए।भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद "कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनी: किसान-वैज्ञानिक नवाचार संवाद" कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माननीय सचिव (डेयर, भारत सरकार) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. एम.एल. जाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने अटारी कानपुर एवं इसके अधीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रमुख उपलब्धियों एवं किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पद्मश्री किसान श्री चन्द्रशेखर सिंह; चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता तथा महिला उद्यमी श्रीमती नीलम त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचारों तथा किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महानिदेशक आईसीएआर डॉ. एम.एल. जाट जी ने कहा कि देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी किसानों की सेवा में दिन-रात समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं जो कि अत्यन्त सराहनीय है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी एवं नवाचारों को पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को जनपद स्तर पर क्षमता निर्माण के महत्वपूर्ण केन्द्रों एवं हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि किसानों सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को आधुनिक ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि अटारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली वित्तीय सहायता को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अटारी को अपने महत्वपूर्ण कार्यों के संचालन में किसी प्रकार की वित्तीय बाधा का सामना न करना पड़े।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया गया तथा उनकी अध्यक्षता में किसान चौपाल का आयोजन हुआ। किसान चौपाल में कृषकों ने कृषि संबंधी विभिन्न विषयों एवं अपनी समस्याओं पर सीधे संवाद किया। इस अवसर पर कृषि नवाचारों की प्रदर्शनी के साथ-साथ विभिन्न जनपदों के एक जनपद एक उत्पाद एवं अन्य कृषि उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया। कार्यक्रम में पद्मश्री किसानों, उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं पौ. विश्वविद्यालय अयोध्या एवं चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं पौ. विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अटारी कानपुर के वैज्ञानिकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। साथ ही सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. रंजय सिंह, डा. आर.आर. बर्मन, देश की समस्त आईसीएआर अटारी के निदेशक, उत्तर प्रदेश के समस्त केवीके के वैज्ञानिक भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े।

हिंदुस्तान 30/08/2026

आयोजन | चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि(सीएसए) में दो दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित रबी दलहन अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक

क्षेत्रफल घटा पर तकनीक से बढ़ी दलहन की पोषणयुक्त पैदावार

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक एवं कृषि, अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) के सचिव डॉ. एमएल जाट ने कहा कि कृषि में तकनीक का प्रयोग हो रहा। पिछले सालों में करीब 16 लाख हेक्टेयर कम क्षेत्रफल के बावजूद गुणवत्तायुक्त पैदावार में वृद्धि हुई है। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में दो दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित रबी दलहन अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एमएल जाट, विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता ने किया। डॉ. जाट ने कहा कि वर्तमान में वैज्ञानिक पोषणयुक्त फसलों के लिए बीज विकसित कर रहे हैं। उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डीके यादव ने कहा कि उपलब्ध नवीन प्रजातियां एवं सफल तकनीक का दलहनी फसलों में समावेश कर दलहन के पैदावार को बढ़ाया जा सकता है। सहायक महानिदेशक (तिलहन एवं दलहन) डॉ. एसके झा ने बताया गया कि दलहन के कुल पैदावार में 60 फीसदी की भागीदारी रबी दलहनी फसलों की है। आईआईपीआर के निदेशक डॉ. जीपी दीक्षित ने कहा कि वैज्ञानिकों एवं किसानों के बीच में तकनीकी [illegible] पूरा करने के लिए जागरूक[illegible] है। विवि के कुलपति डॉ. [illegible] गुप्ता ने बताया गया कि दलहन पैदा[illegible]र में विवि की सार्थक भूमिका है। डॉ. [illegible] चौधरी, डॉ. पीके सिं[illegible] [illegible] खान आदि मौजूद रहे।

सीएसए में दो दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित रबी दलहन अनुसंधान परियोजना की 31वीं वार्षिक समूह बैठक का आयोजन हुआ।

तीन वर्षों में बायोफोर्टिफाइड फसलें बनाएंगी से[illegible]

कानपुर। अगले तीन वर्षों में फसलों में रसायनों के प्रयोग खत्म कर बायोफोर्टि[illegible] फसलें तैयार की जाएंगी। इससे इंसान स्वस्थ रहेंगे। आईसीएआर ने न सिर्फ [illegible] तैयार कर लिया है बल्कि इसे प्रभावी बनाने के लिए आईएमसी (इंडियन मेडिक[illegible] काउंसिल) संग अनुसंधान व नवाचार भी कर रहे है। यह जानकारी आईसीए[illegible] के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने दी। आईसीएआर के उप महानिदेशक (फसल विज्ञान) डॉ. डीके यादव ने बताया कि संस्थान के पास जीन बैंक बना है, जिसमे [illegible]7 लाख फसलों की आनुवांशिक सामग्री को सुरक्षित व संरक्षित है। डॉ. जाट ने ब[illegible] कि एथेनॉल को लेकर गन्ने की खपत बढ़ी है, जिससे नई प्रजातियां विकसित की [illegible] रही हैं। सितंबर में करनाल में विकसित गन्ना की नई प्रजाति लांच की जाएगी

केवीके बना रहे सशक्त: किसान–वैज्ञानिक नवाचार संवाद' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एमएल जाट रहे। पद्मश्री किसान चंद्रशेखर सिंह, सीएसए विवि के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, महिला उद्यमी नीलम त्यागी ने ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचारों तथा किसानों की भूमिका पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) किसानों को सशक्त बना विकसित भारत के सपने को साकार करने में खास भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. जाट ने किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया। अटारी के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर डॉ. रंजय सिंह, डॉ. आरआर बर्मन आदि मौजूद रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 62 कानपुर, रविवार 30 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

अधिकारी मौजूद रहे। अनुशासन और निष्पक्षता के साथ सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित पुरस्कार प्रदान किए।

वैज्ञानिक नवाचार संवाद में किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को किया गया प्रस्तुत

कानपुर । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदङ्कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन–तृतीय कानपुर द्वारा आज संस्थान परिसर में 卐कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनी= किसानङ्कवैज्ञानिक नवाचार संवाद卐 कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के माननीय सचिव (डेयर, भारत सरकार) एवं महानिदेशक (आईसीएआर) डॉ. एम.एल. जाट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारंभ में सर्वप्रथम अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में उन्होंने अटारी कानपुर एवं इसके अधीन कृषि विज्ञान केन्द्रों की प्रमुख उपलब्धियों एवं किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पद्मश्री किसान चन्द्रशेखर सिंह; चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता तथा महिला उद्यमी नीलम त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचारों तथा किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महानिदेशक आईसीएआर डॉ. एम.एल. जाट ने कहा कि देश के कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी किसानों की सेवा में दिन–रात समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं जो कि अत्यन्त सराहनीय है। कृषि विज्ञान केन्द्र किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी एवं नवाचारों को पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए भी आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्रों को जनपद स्तर पर क्षमता निर्माण के महत्वपूर्ण केन्द्रों एवं हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, ताकि किसानों सहित कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न हितधारकों को आधुनिक ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि अटारी एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों को उपलब्ध कराई जाने वाली वित्तीय सहायता को और सुदृढ़ किया जाएगा, जिससे कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अटारी को अपने महत्वपूर्ण कार्यों के संचालन में किसी प्रकार की वित्तीय बाधा का सामना न करना पड़े।कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि द्वारा किसानों एवं वैज्ञानिकों के साथ संवाद किया गया तथा उनकी अध्यक्षता में किसान चौपाल का आयोजन हुआ। किसान चौपाल में कृषकों ने कृषि संबंधी विभिन्न विषयों एवं अपनी समस्याओं पर सीधे संवाद किया। इस अवसर पर कृषि नवाचारों की प्रदर्शनी के साथ–साथ विभिन्न जनपदों के एक जनपद एक उत्पाद एवं अन्य कृषि उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया।कार्यक्रम में पद्मश्री किसानों, उत्तर प्रदेश के प्रगतिशील कृषकों, आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं पौ. विश्वविद्यालय अयोध्या एवं चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं पौ. विश्वविद्यालय कानपुर के निदेशक प्रसार, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं अटारी कानपुर के वैज्ञानिकों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता की। साथ ही सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. रंजय सिंह, डा. आर.आर. बर्मन, देश की समस्त आईसीएआर अटारी के निदेशक, उत्तर प्रदेश के समस्त केवीके के वैज्ञानिक भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े।

कृषि समस्याओं पर किसानों व वैज्ञानिकों में संवाद

विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे केवीके, प्रदर्शनी का भी आयोजन

कार्यक्रम को सम्बोधित करते वक्ता।

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 29 अगस्त। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषदकृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-तृतीय कानपुर की ओर से आज कृषक चौपाल एवं प्रदर्शनी- किसान वैज्ञानिक नवाचार संवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आईसीएआर के डीजी डॉ. एम.एल. जाट ने कहाकि देश के केवीके के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी किसानों की सेवा में दिन-रात समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं जो कि अत्यंत सराहनीय है। कृषि विज्ञान केंद्र किसानों को सशक्त बनाकर विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्णभूमिका निभा रहे हैं। केवीके किसानों तक नवीन कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक जानकारी एवं नवाचारों को पहुंचाने के लिए उल्लेखनीय कार्य में जुटे हैं। उन्होंने कहाकि किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़े विभिन्न कार्यों को आधुनिक ज्ञान एवं कौशल से सशक्त बनाया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ में अटारी कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने अटारी कानपुर एवं इसके अधीन कृषि विज्ञान केंद्रों की प्रमुख उपलब्धियों एवं किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों को सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। विशिष्ट अतिथि सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता तथा महिला उद्यमी श्रीमती नीलम त्यागी ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्र में नवाचारों तथा किसानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कृषि नवाचारों की प्रदर्शनी के साथ-साथ विभिन्न जनपदों के एक जनपद एक उत्पाद एवं अन्य कृषि उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया। इस दौरान सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डा. रंजय सिंह, डा. आर.आर. बर्मन के अलावा समस्त केवीके के वैज्ञानिक भी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े।

अमर उजाला 30/08/2026

अटारी में आयोजित कृषक चौपाल में जानकारी देतीं ड्रोन दीदी सबीना खातून। स्रोत : सीएसए

ड्रोन दीदी ने कृषक चौपाल में उड़ाकर दिखाया ड्रोन

कानपुर। कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जोन-तृतीय में शनिवार को लगी कृषक चौपाल में अयोध्या से आईं ड्रोन दीदी सबीना खातून ने टिप्स दिए। उन्होंने ड्रोन के जरिये खाद, कीटनाशक के छिड़काव की जानकारी दी। ड्रोन को मोबाइल फोन के जरिये भी संचालित करने का तरीका समझाया।

एग्री ड्रोन पायलट और अब ड्रोन दीदी के नाम से मशहूर सबीना खातून ने बताया कि उन्होंने समाज सेवा के लिए नौकरी छोड़ दी। अब प्रज्ञान अयोध्या महिला किसान समिति बनाकर कार्य कर रही हैं। भारतीय कृषि

ड्रोन से कीटनाशक, खाद के छिड़काव के तरीके बताए

अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट, अटारी के निदेशक डॉ. राघवेन्द्र सिंह, पद्मश्री किसान चंद्रशेखर सिंह, सीएसए के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, महिला उद्यमी नीलम त्यागी ने विचार व्यक्त किए। सहायक महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ. रंजय सिंह, डॉ. आरआर बर्मन, समस्त आईसीएआर अटारी के निदेशक, प्रदेश के समस्त केवीके के विज्ञानी वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। (ब्यूरो)